राष्ट्रीय वेबिनार व संगोष्ठी

पूर्वांचल का सतत विकास

मुद्दे, रणनीति एवम् भावी दिशा

पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए एक पहल

10-12 दिसम्बर, 2020

कार्यक्रम स्थल : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर-273009 (उ.प्र.)

आयोजक:

नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

पूर्वांचल

उत्तर प्रदेश के कुल 18 मण्डलों एवं 75 जनपदों में से 8 मण्डल और 28 जनपदों वाला पूर्वी क्षेत्र पूर्वांचल की अनूठी विस्तृत पट्टी है जो 23 अंश 51' उत्तर से 28 अंश 30' उत्तर 81 अंश 31' पूर्व से 84 अंश 39' पूर्व तक फैली है। यह उत्तर प्रदेश के इन्द्रधनुषी भू-भाग को प्रस्तुत करता है जहाँ बहुरंगी भारतीय संस्कृति अनन्तकाल से पुष्पित-पल्लवित होती रही है। भिन्न-भिन्न भौगोलिक विस्तार एवं विविधतापूर्ण संस्कृति से समृद्ध पूर्वांचल अनगिनत पवित्र पुण्य स्थल एवं तीर्थ स्थलों से परिपूर्ण है जहाँ तीज-त्योहारों, भोजपुरी की मिठास तथा अनेकानेक व्यंजनों की सुवास इसकी श्रीवृद्धि करते हैं। भारत के पर्यटन मानचित्र पर पूर्वांचल का विशिष्ट स्थान है। मौसम सामान्यतः उष्णता एवं शुष्क शीतलता लिये होता है। यद्यपि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्से अर्धशुष्क हैं। यहाँ कृषि लघु व अल्प जोत वाली है और नियमित रूप से आने वाली बाढ़, सूखे एवं मृदा लवणता से प्रभावित है। वर्ष 2017 में नवगठित सरकार द्वारा लागू की गई उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति निवेश आकर्षित करने एवं औद्योगिक उद्यमों तथा विनिर्माण क्षेत्रों के विकास पर विशेष रूप से बल देती है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी जो स्वयं गोरखपुर से आते हैं, के कर कमलों से प्रदेश में निजी औद्योगिक उद्यमों, सेज़, एकीकृत विनिर्माण मूल्यों एवं पूर्वांचल के उन्नयन के लिए पूर्व निष्ठित मॉल एवं बहुतेरे औद्योगिक गलियारों को प्रोत्साहित करने के अथक प्रयास कौशल विकास कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बद्ध गतिविधियों के युद्ध स्तर पर संचालन के तौर पर फलीभूत हुए हैं।

नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश

राज्य स्तर पर बनाई जाने वाली योजना राष्ट्र के साथ-साथ राज्य के समुचित एवं त्वरित विकास के दोहरे हितों को साधने का मंतव्य रखती है। इसका अर्थ है कि राज्य स्तर के नियोजक को न केवल राज्य के लक्ष्यों, प्राथमिकताओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों को निर्धारित करने में एक सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए बल्कि राष्ट्रीय नीतियों एवं उद्देश्यों के निरूपण में भी सहभागिता करनी चाहिए जिससे राज्य के सम्पूर्ण विकास का वातावरण तैयार हो सके। उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि राज्य स्तर पर योजनाओं का निरूपण बहुस्तरीय पारस्परिक संवाद सत्रों एवं युक्तिपूर्ण विकास की लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य से किया जाय। कार्यान्वयन की दृष्टि से एक योजना परस्पर सम्बन्धित कार्यक्रमों/परियोजनाओं/प्रणालियों का संकलन है जो स्थानिक, संस्तुतियों एवं उपयुक्त सामयिक अनुक्रमण के माध्यम से वांछित परिणामों को अर्जित करने का उद्देश्य रखता है। योजना निरूपण, व्यवस्थित विश्लेषण, प्रमुख मुद्दों का विश्लेषण एवं अन्वेषण विकल्पों की उपयुक्तता एवं नवीन उपागमों के प्रयोग पर आश्रित है। नियोजन एक बहुविषयी कार्य है जो तकनीकी विशेषज्ञों, भूगोलवेत्ताओं, अर्थशास्त्रियों, सांख्यिकीविदों, समाजशास्त्रियों, प्रबन्ध विशेषज्ञों, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, वास्तुविदों आदि के समान सहभागिता की मांग करता है। साथ ही साथ यह संवेदनाओं आम तौर पर लोगों की आवश्यकता आधारित प्राथमिकताओं और विशेष तौर पर विशिष्ट कार्यक्रमों के लाभार्थियों की प्राथमिकताओं को लेकर विश्वसनीय सूचना के एक वेहद सुविचारित एवं व्यवस्थित प्रवाह की भी मांग करता है। उपरोक्त सारे परिप्रेक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए यह निःसंदेह आवश्यक है कि नियोजन एवं क्रियान्वयन की पूरी प्रक्रिया एक दक्ष एवं सक्षम मानव संसाधन से सम्पन्न हो।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय 1 सितम्बर, 1957 के कला संकाय, वाणिज्य संकाय, विधि संकाय एवं शिक्षा संकाय के साथ संचालित होना प्रारम्भ हुआ। विश्वविद्यालय की अकादमिक संस्कृति अध्ययन एवं शोध की विविध परम्पराओं के पारस्परिक विनिमयन से विकसित हुई। अपने प्रतीक चिह्न में वर्णित सूत्र वाक्य का निरन्तर पालन करते हुए विश्वविद्यालय ज्ञान के उन्मुक्त अन्वेषण में सदैव संलग्न रहते हुए नवोन्मेष एवं उत्कृष्टता अर्जित करने में अनवरत दृढ़ आस्था का प्रदर्शन करता रहा है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के वर्तमान पीढ़ी में अध्येतायों का एक प्रतिष्ठित समुदाय है जिन्होंने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। विश्वविद्यालय की परिकल्पना एवं इसके स्थापना के लिए प्रयत्नशील एवं समर्पित लोगों के चलते पूर्वांचल और इसके आस-पास के लोगों की उच्च शिक्षा तक सुगम पहुँच सम्भव हो सकी। विश्वविद्यालय एक ऐसे मार्ग पर अग्रसर है जो रोजगार एवं शोध के बेहतर अवसरों के सृजन की कल्पना करता है। लगभग पचास नये बाजारोन्मुख पाठ्यक्रम प्रस्तावित कर विश्वविद्यालय पूर्वांचल एवं आस-पास के क्षेत्रों में उद्यमिता विकास की सम्भावनाओं को तलाशने के लिए कमर कस चुका है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय शोध एवं उद्भवन केन्द्रों के माध्यम से स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के माध्यम से विदेशी छात्रों एवं शोधार्थियों को आकर्षित करने के लिए दृढ़तापूर्वक कदम बढ़ा चुका है। उत्कृष्टता के विभिन्न नवीन केन्द्रों एवं खेल सम्बन्धी गतिविधियों की महत्वाकांक्षी परिकल्पना की गयी है जो संस्था को एक नया आकार प्रदान करती है।

वेबिनार व संगोष्ठी

नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार जो आमतौर पर उत्तर प्रदेश राज्य एवं विशिष्ट तौर पर पूर्वांचल के समग्र विकास योजना के व्यावहारिक पक्षों के निरूपण की दृष्टि से कार्य करता है, अध्येताओं, अन्वेषकों, पेशेवरों, व्यवसायियों, राजनेताओं, अधिकारियों और यहाँ तक कि आमजनों को एक ही मंच पर विचार विनिमय के लिए बृहद स्तर पर यह वेबिनार आयोजित करने का प्रस्ताव करता है। कोविड-19 काल में मिश्रित प्रणाली से निर्बाध रूप से चलने वाले एक वेबिनार व संगोष्ठी के संकल्पना के माध्यम से सम्भव हो सकेगा। 10 से 12 दिसम्बर, 2020 तक आयोजित इस वेबिनार व संगोष्ठी के दौरान दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर स्थित विविध संगोष्ठी कक्षों में उत्तर प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों को प्रतिनिधित्व करने वाले पाँच अलग-अलग विषयों पर केन्द्रित पाँच समानान्तर सत्र आयोजित होंगे। अर्थात् इन तीन दिनों के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों में अपने-अपने क्षेत्रों के सैकड़ों विशेषज्ञ उत्तर प्रदेश राज्य के पूर्वांचल क्षेत्र के त्वरित विकास एवं संवर्धन के व्यावहारिक पक्षों पर एक सुचिन्तित परिचर्चा करेगें। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी समाज के समग्र विकास हेतु पूर्वांचल के लोगों के सपनों को साकार करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना

चाहते। हम उन सारे शिक्षकों व छात्रों, प्रशासकों व व्यवसायियों, राजनेताओं व समाजसेवियों से हाथ मिलाने को उत्सुक है जो इन सपनों को साकार करने में योगदान देने को तत्पर हैं। **इसी हेतु हमारे विशेष सत्र होंगेः**

पूर्वांचल का औद्योगिक विकास : इस सत्र का आयोजन इस विचार पर आधारित है कि पूर्वांचल में औद्योगिक विकास की संभावनाओं को लेकर शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा उद्यमियों के बीच वैविध्यपूर्ण, बुद्धयोत्तेजक अन्तः क्रिया ऐसे सभी विचारों के क्रमिक उर्वरण व विकास के दृष्टिकोण से मार्गदर्शन कर सकें जिससे कि समस्त संभावित पक्षों तथा उनके प्रस्ताव को बल प्रदान कर प्रतियोगी परियोजनाएँ उद्घाटित हों। ऐसी परियोजनाएँ ही पूर्वांचल तथा उत्तर प्रदेश के त्वरित व भावी विकास में महती भूमिका अदा कर सकती हैं। अतः सभी पक्षकारों को एक साथ एक ही मंच पर उपस्थित होकर परस्पर विचार विमर्श कर भावी रणनीति का मार्गदर्शन ही इस सत्र का मुख्य लक्ष्य है।

पूर्वांचल के लिए विशेष प्रोत्साहन : ''उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2017'' के प्रारम्भ होने के साथ ही उत्तर प्रदेश में औद्योगिक नियोजन का परिदृश्य बदला है। प्रस्तुत सम्मेलन व सत्र में उक्त तथा अन्य ऐसी ही नियोजक, उत्पादक और उद्यमी के बीच सफल रिश्ता कायम करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने संबंधी संभावित योजनाओं व नीतियों पर परिचर्चा की जायेगी।

बैंकर्स सम्मेलन : व्यवसाय करने की सरलता व सुविधा उद्यमिता विकास की नींव है। उद्यमिता विकास के मार्ग पर बैंकों द्वारा दिया जाने वाला वित्तीय सहयोग ही वास्तव में प्रथम सहयोग है। इसके लिए यह आवश्यक है कि बैंकर्स और उद्यमी इस महती सहभागिता को सफल बनाने के लिए एक दूसरे को समझे और जानें। प्रस्तुत सम्मेलन दोनों पक्षों को एक मेज पर लाने का प्रयास है जहाँ जीवन पर्यंत रिश्ता स्थापित होने के पूर्व आपसी संधि क्रम का माहौल तैयार हो।

विशिष्ट संगठित समूह : (स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पाद संगठन, गैर सरकारी संस्थाएँ) किसानों, कलाकारों, शिल्पकारों व ऐसे ही अन्य पेशेवरों के समूह स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पाद संगठन तथा विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से पूर्वांचल के विकास में अद्वितीय भूमिका का वहन करने में सक्षम हैं। परन्तु ''कैसे'' यही जानना इस सत्र का मुख्य उद्देश्य है।

शोधपत्र सम्बन्धित विश्वविद्यालय समन्वयकों को 25 नवंबर, 2020 तक ई-मेल करें अथवा ऑनलाइन (http://ddugu.ac.in/MegaWebinarForm.aspx) पंजीकरण सहित जमा करें

तकनीकी सत्र एवं शासन समन्वयक

सत्र 1

प्राथमिक क्षेत्र

शासन समन्वयक

डॉ. देवेश चतुर्वेदी
अपर मुख्य सचिव, कृषि विभाग, उ.प्र. शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. अजय सिंह (प्राणी विज्ञान) संयोजक
singhajay_gkp@rediffmail.com
डा. स्मृति मल (वनस्पति विज्ञान) सह-संयोजक
smritimall@rediffmail.com

सम्बन्धित नोडल विभाग

कृषि, कृषि विपणन, कृषि निवेश व्यापार एवं निर्यात, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, रेशम, सहकारिता, मत्स्य, पशुधन, दुग्ध विकास, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, वन एवं वन्य जीव

तकनीकी सत्र एवं शासन समन्वयक

सत्र 2

विनिर्माण क्षेत्र

शासन समन्वयक

श्री आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव
अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, उ.प्र. शासन
श्री नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन, उ.प्र. शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. आलोक गोयल (अर्थशास्त्र) संयोजक
akgoyalgkp@gmail.com
डा. प्रतिमा जायसवाल (वाणिज्य) सह-संयोजक
pratima_jaiswal@rediffmail.com

सम्बन्धित नोडल विभाग

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा निर्यात प्रोत्साहन, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, लोक निर्माण, ग्रामीण अभियंत्रण, ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा, नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन, पंचायती राज, पर्यावरण, भूतत्व एवं खनिकर्म, राजस्व, अभाव एवं दैवी आपदा राहत

तकनीकी सत्र एवं शासन समन्वयक — सत्र 3

सेवा क्षेत्र

शासन समन्वयक

श्री मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव
पर्यटन एवं संस्कृति, उ.प्र. शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. मनीष मिश्रा (इलेक्ट्रॉनिक्स) संयोजक
manishddu1976@gmail.com
डा. राजू गुप्ता (अर्थशास्त्र) सह-संयोजक
raju_gupta375@rediffmail.com

सम्बन्धित नोडल विभाग

सूचना प्रोद्योगिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स, पर्यटन, संस्कृति, व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, परिवहन, आवास एवं शहरी नियोजन, संस्थागत वित्त

तकनीकी सत्र एवं शासन समन्वयक — सत्र 4

सामाजिक क्षेत्र

शासन समन्वयक

श्री अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ.प्र. शासन
श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव
बेसिक शिक्षा विभाग, उ.प्र.शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. आर पी सिंह (वाणिज्य) संयोजक
rp_singh20@rediffmail.com
डा. पवन कुमार. (समाजशास्त्र) सह-संयोजक
pawannwd@gmail.com

सम्बन्धित नोडल विभाग

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बाल विकास एवं पुष्टाहार, समाज कल्याण, महिला कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, सभी आई.सी.ए.आर. इन्स्टीट्यूट, राज्य के कृषि विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास संस्थान, स्वयं सेवी संगठन, संबंधित विभागों द्वारा चिन्हित अन्य संस्थायें/व्यक्ति

तकनीकी सत्र एवं शासन समन्वयक — सत्र 5

जल क्षेत्र

शासन समन्वयक

श्री टी. वेंकटेश, अपर मुख्य सचिव
सिचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ.प्र. शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. उमेश यादव (भौतिक विज्ञान) संयोजक
umeshphy@ddugu.ac.in
डा. अंशू गुप्ता (वाणिज्य) सह-संयोजक
gupta_anshu60@hotmail.com

सम्बन्धित नोडल विभाग

सिंचाई एवं जल संसाधन, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति, लघु सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास

औद्योगिक विकास — सत्र 6

शासन समन्वयक

श्री आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव
अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. धनन्जय कुमार
मनोविज्ञान विभाग
ई-मेल-drddugu@yahoo.co.in

पूर्वांचल के लिए विशेष प्रोत्साहन — सत्र 7

शासन समन्वयक

श्री नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव
लोक निर्माण विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. एस.वी. पाठक
वाणिज्य विभाग
ई-मेल-professorsvpathak@gmail.com

बैंकर्स सम्मेलन — सत्र 8

शासन समन्वयक

श्री संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव
संस्थागत वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन
श्री शिव सिंह यादव, महानिदेशक
संस्थागत वित्त निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. उमा श्रीवास्तव
गणित एवं सांख्यिकी विभाग
ई-मेल-uma_stat@yahoo.co.in

सामूहिक संगठनों से सम्बन्धित — सत्र 9

शासन समन्वयक

श्री नवनीत कुमार सहगल, अपर मुख्य सचिव
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग
उत्तर प्रदेश शासन

विश्वविद्यालय समन्वयक

प्रो. अनुभूति दूबे
मनोविज्ञान विभाग
ई-मेल-anubhutiddu@rediffmail.com

महत्त्वपूर्ण वक्ताओं की सूची

श्री योगी आदित्यनाथ जी
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
लोक भवन, लखनऊ-226001

श्री नरेन्द्र सिंह
माननीय उपाध्यक्ष, पूर्वांचल विकास बोर्ड, उत्तर प्रदेश

श्री दया शंकर मिश्र ''दयालु''
माननीय उपाध्यक्ष, पूर्वांचल विकास बोर्ड, उत्तर प्रदेश

श्री साकेत मिश्र
माननीय सलाहकार, पूर्वांचल विकास बोर्ड, उत्तर प्रदेश

श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी (आई.ए.एस.)
मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन
लोक भवन, लखनऊ-226001

डॉ. के. वी. राजू
माननीय मुख्यमंत्री जी के आर्थिक सलाहकार
उत्तर प्रदेश, लखनऊ-226001

श्री कुमार कमलेश (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, नियोजन, कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग
तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226001

डॉ. देवेश चतुर्वेदी (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश शासन
लखनऊ-226001

श्री आलोक कुमार (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, अवस्थापना तथा औद्योगिक विकास
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226001

श्री नवनीत सहगल (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226001

श्री अमित मोहन प्रसाद (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226001

श्रीमती रेणुका कुमार (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226007

श्री टी. वेंकटेश (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, सिंचाई तथा जल संसाधन विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ-226001

श्री संजीव मित्तल
अपर मुख्य सचिव, संस्थागत वित्त विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ

श्री नितिन रमेश गोकर्ण
प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ

श्री मुकेश मेश्राम (आई.ए.एस.)
प्रमुख सचिव, पर्यटन तथा संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

प्रो. डी.पी. सिंह
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली-02 ई-मेल-cm.ugc@nic.in

डा. राजीव कुमार
उपाध्यक्ष, नीति आयोग, नई दिल्ली
ई-मेल-vch-niti@gov.in

प्रो. रमेश चन्द
सदस्य, नीति आयोग
उपाध्यक्ष, किसान समृद्धि आयोग, उत्तर प्रदेश

प्रो. रघुराम राजन
(पूर्व गर्वनर रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया)
शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस,
कमरा-502 हार्पर केन्द्र, 5827 एस, वुडलान एवेन्यू,
शिकागो-60637
ई-मेल-rabhram.rajan@chicagobootn.edu

प्रो. संजय राय
(सीनियर वाइस प्रेसिडेंट)
एकेडमिक अफेयर मोंटगोमरी कॉलेज,
मैरीलैंड, यू.एस.
ई-मेल-sanjay.rai@montgomerycollege.edu

प्रो. अजय झा
कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी, फोर्ट कोलिन्स कं.
यू.एस.-80528-7106

श्री फ्रैंक इस्लाम
निवेश समूह के अध्यक्ष और एफ.आई. के सी.ई.ओ.,
जान एफ. केनेडी सेन्टर फार द परफार्मिंग आर्ट्स के न्यासी
बोर्ड, नार्दन रोड, पोटोमैक, एम.डी.-20854, यू.एस.-
10111, ई-मेल-ffislam@verizon.net

डा. उमाशंकर सिंह
निदेशक, नेशनल अकैडमी आफ एग्रीकल्चरल साइंस
(एन.ए.एस.सी.) काम्प्लैक्स, डीपीएस मार्ग पूसा, नई दिल्ली

प्रो. राकेश सिंह
प्रो. एण्ड हेड डिपार्टमेन्ट आफ फूड साइंस एण्ड टेक्नोलाजी,
यूनिवर्सिटी ऑफ जार्जिया, 201 फूड साइंस भवन, 100 सेडर
मार्ग, एथेंस, सीए 30602-7

प्रो. राम सिंह
डिपार्टमेन्ट आफ क्राप साइंस यूनिर्वसिटी ऑफ इलीनाइस,
अर्बना, यू.एस ई-मेल-ramsingh@uiuc.edu

श्री सुनील सिंह
यूएसए के एक उद्यमी, वाशिंगटन डी.सी.,
मेट्रो एरिया, एकोकिक, मैरीलैंड, यू.एस.ए.

प्रो. राकेश भटनागर
कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005
फोन- +91(542) 2368938 (Off); 2368339 (Resi)
ई-मेल-vc@bhu.ac.in

प्रो. वी. पी. मिश्रा
भारतीय पशु चिकित्सा शोध संस्थान (आईसीएआर)
इज्जत नगर, बरेली

डॉ. आर. के. मित्तल
कुलपति, सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि तकनीकी
विश्वविद्यालय, पल्लवपुरम, मेरठ-250110
फोन-0121-2888522, ई-मेल-vc2016svpuat@gmail.com

डॉ पंजाब सिंह
पूर्व निदेशक जनरल आईसीएआर तथा सचिव डीएआरइ,
भारत सरकार, सरस्वती कुंज, नारायणपुर (डाफी), वाराणसी-221005

डा. मंगला राय, पूर्व महानिदेशक
आई.सी.ए.आर भारत सरकार, वाराणसी 221005
ई-मेल-mnglrai@gmail.com

डॉ तनवीर आलम
निदेशक, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ पैकेजिंग संस्थान
भारत सरकार, प्लाट-ई 2, एम.आई.डी.सी. एरिया, रोड नं.-8,
अंधेरी ईस्ट, मुंबई-400093
ई-मेल-director-iip@iip-in.com

प्रो. संजय कुमार
निदेशक, भारतीय बीज शोध संस्थान, मऊ, उत्तर प्रदेश-275103

प्रो. जगदीश कुमार
निदेशक, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ वेजीटेबल रिसर्च,
अराजीलैण्ड, वाराणसी

प्रो. सुनील शुक्ला
निदेशक, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद-382428

प्रो. अर्चना शुक्ला
निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ-226013

डा. शैलेंद्र सिंह
निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, सूचना भवन, पंचम तल,
औद्रे हाउस कैम्पस, मियूर रोड, रांची, झारखण्ड-834008
ई-मेल-shail@iimranchi.ac.in, +91-651-228-0113

प्रो. अभय करंदीकर, निदेशक
भारतीय तकनीकी संस्थान, कानपुर-208016
ई-मेल-karandi@iitk.ac.in

डा. राजेश सिंह
सिनियर कन्सलटेन्ट रैम्बल इनवार्न क्लाईमेट चेंज एण्ड ग्लोबल
वार्मिंग, वेस्ट चेस्टर, पेन्सीलवेनिया फोनः +14849198599

डा. अरविन्द कुमार
निदेशक, इण्टरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट इण्डियन सेन्टर
एन.एस.आर.टी.सी., मंडुवाडीह, वाराणसी

डा. ए.के.सिंह
उप महानिदेशक-हार्टीकल्चर, कृषि अनुसंधान भवन-2 पूसा, नई दिल्ली

प्रो. आर.के. सिंह (डीन)
दिल्ली स्कूल आफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली-110007
ई-मेल-dean@commerce.du.ac.in फोनः 011+2766 7891

श्री चंद्र प्रकाश अग्रवाल
चेयरमैन तथा मैनेजिंग डायरेक्टर
गैलेंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, गोरखपुर

प्रो. राजेश सिंह
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
ई-मेल-vcddugu@gmail.com

महत्त्वपूर्ण सम्पर्क

नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश शासन

श्री कुमार कमलेश, अपर मुख्य सचिव
फोन-0522-2238973, 2238467 ई-मेल-psecplan@nic.in

श्री आमोद कुमार, प्रमुख सचिव
ई-मेल- psplanningup@gmail.com

श्री विजय कुमार अग्रवाल, निदेशक
ई-मेल- directorapdplanning@gmail.com

गोरखपुर जिला प्रशासन

श्री जयंत नार्लीकर, आई.ए.एस.
मण्डलायुक्त, गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर
ई-मेल- commgor@nic.in

श्री के विजयेन्द्र पांडियन, आई.ए.एस.
जिलाधिकारी, गोरखपुर
ई-मेल- dmgor@nic.in

श्री अमज़द अली अंसारी, उपनिदेशक
अर्थ एवं संख्या, गोरखपुर
ई-मेल- gordd@nic.in

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

प्रो. राजेश सिंह, कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
ई-मेल- vcddugu@gmail.com

डॉ. ओम प्रकाश, कुल सचिव
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
ई-मेल- registrar@ddugu.ac.in

प्रो. अजय सिंह, नोडल अधिकारी
वेबिनार
ई-मेल- singhajay_gkp@rediffmail.com